तीन माह से ईंट-भट्ठे में बंधुआ 21 मजदूर हुए मुक्त

Publish Date:Wed, 09 Dec 2020 06:40 PM (IST) | Author: **Jagran**

जागरण संवाददाता बांदा भरण-पोषण के ईंट पथाई करने गए जिले के *21* मजदूरों को अजमेर के

जागरण संवाददाता, बांदा : भरण-पोषण के ईंट पथाई करने गए जिले के 21 मजदूरों को अजमेर के पंचशील नगर में बंधक बना लिया गया। तीन माह तक महिलाओं व बच्चों सहित पुरुषों से जी तोड़ मेहनत कराया और मजदूरी भी नहीं दी गई। विरोध करने पर उन्हें प्रताड़ित भी किया जाता रहा। मजदूर नरेंद्र ने किसी तरह बंधुवा होने की जानकारी बंधुआ मुक्ति मोर्चा को दी। मोर्चा ने अजमेर प्रशासन की मदद से सभी मजदूरों को मुक्त कराकर घर भेजने की व्यवस्था की।

बंधुआ मुक्ति मोर्चा दिल्ली के जनरल सेक्रेटरी निर्मल अग्नि ने बताया कि ईंट-भट्ठा मजदूर नरेंद्र ने फोन से उन्हें सूचना दी कि यहां अजमेर शहर के समीप पंचशील नगर स्थित भारत नाम के ईंट भट्ठे पर काम करवाने के लिए पांच परिवारों को बंधक बनाकर रखा गया है। इनमें चार महिला, 11 पुरुष व छह बच्चे शामिल हैं। बताया कि 3 माह पूर्व परिचित का एक ठेकेदार उन्हे बांदा व चित्रकूट से अजमेर (राजस्थान) लेकर आया था। तब से वे भट्टे पर काम कर रहे हैं। मजदूरों को मजदूरी तो दूर आवास और पेयजल तक नहीं मिला। मजदूर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। निर्मल अग्नि ने अजमेर जिला प्रशासन को जानकारी दी। बंधुआ मजदूरों को मुक्त करवाने के लिए मानव तस्करी विरोधी यूनिट के अशोक व संगीता चौधरी सहित श्रम विभाग के निरीक्षक और नायाब तहसीलदार तुकाराम की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। बंधुआ मुक्ति मोर्चा के राजेश यज्ञिक, दिनेश ध्रुव की मदद से टीम ने ईंट भट्टे से उन्हें मुक्त कराया। मजदूरों का बयान दर्ज कर सोमवार को देर शाम तक उन्हें छुड़वाकर एसडीएम अवधेश मीणा के समक्ष पेश किया गया। एसडीएम ने बंधुआ श्रम उन्मूलन अधिनियम 1976 के तहत जल्द ही सभी मुक्त बंधुआ श्रमिकों को मुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने की घोषणा की। सभी श्रमिकों को रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रैन बसेरे में ठहराया गया है। निर्मल अग्नि ने अजमेर जिला प्रशासन को प्रति मजदूर के लिए 20 हजार रुपये के हिसाब से तत्काल सहायता राशि, बंधुआ मजदूरों की

पुनर्वास योजना का लाभ देने की अपील की। उधर, जिला श्रम प्रवर्तन अधिकारी महेंद्र शुक्ला ने कहा कि मुक्त कराए गए मजदूरों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।